जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 321 प्रभात कोटा, सोमवार 4 सितम्बर, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

आयरलैंड में 200 साल में पहली बार ऑस्प्री पक्षी के एक जोड़े ने प्रजनन किया है। एक स्थानीय संरक्षण संगठन, अल्स्टर वाइल्डलाइफ ने जानकारी देते हुए बताया कि, इस जोड़े ने उत्तरी आयरलैंड की फरमाना काउंटी में एक अज्ञात स्थान पर दो या तीन चूज़ों को जन्म दिया है। इस पक्षी परिवार के बारे में सबसे पहले अल्स्टर वाइल्डलाइफ के एडवाइज़र जाइल्स नाइट को पता लगा था। सन् 2021 में ऑस्प्री का यह जोड़ा यहां आया था तब से ही वो उस पर नजर रख रहे हैं। हाल ही में जब उन्होंने ऑस्प्री के चूज़े देखे तो उनकी खुशी की सीमा नहीं रही। उन्होंने कहा, ''यह ऐसा पल था जो जीवन में एक बार आता है। यह मेरे तीस साल के करियर का स्वर्णिम पल था, मानो लम्बे समय से खोया खजाना मिल गया हो। यह संरक्षण अभियान की शानदार सफलता है।'' रैप्टर की यह विशालकाय प्रजाति एन्टार्कटिका को छोड़ कर हरेक महाद्वीप में मिलती है। सफेद और भूरे रंग के इन पक्षियों का मुख्य भोजन मछली है इसलिए ये जलाशयों के आसपास ही रहते हैं। जीवन भर के लिए जोड़ा बनाने वाले ये पक्षी हर वर्ष एक ही जगह घोंसला बनाते हैं। विश्वस्तर पर इन्हें कम चिंताजनक (लीस्ट कंसर्न) वर्ग में रखा गया है, पर यू.के. में ये एम्बर लिस्ट में हैं, अर्थात् संरक्षण का स्तर ''मॉडरेट कन्सर्न'' है। तथापि, आयरलैंड में ये विलुप्ति के कगार पर हैं क्योंकि, 18 वीं सदी के अंत में इन्हें सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया गया था। आयरलैंड में आखिरी बार 1779 में ऑस्प्री का घोंसला देखा गया था। हालांकि, प्रवास के दौरान यदाकदा यहाँ ऑस्प्री विश्राम के लिए आया करते थे, पर प्रजनन करने के लिए नहीं। आयरलैंड के नैशनल पार्क्स एण्ड वाइल्डलाइफ सर्विस ने इसी वर्ष गर्मी में ऑस्प्री रीइन्ट्रोडक्शन कार्यक्रम शुरु किया है, जिसके तहत पांच साल में नॉर्वे से 50 से 70 ऑस्प्री चूज़े यहां लाए जाएंगे। वर्तमान में ऑस्प्री के जिस जोड़े ने प्रजनन किया है वह रीइन्ट्रोडक्शन प्रोग्राम की देन नहीं है, बल्कि यह जोड़ा खुद लौटा है। आयरलैंड में ऑस्प्री का पुराना इतिहास है, यहाँ कई जगहों के नाम भी ऑस्प्री के नाम पर रखे गए हैं।

'सनातन धर्म का विरोध नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए'

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और राज्य के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा, हम डेंगू, मच्छर, मलेरिया या करोना का विरोध नहीं कर सकते, हमें इसे मिटाना है, ऐसे ही हमें सनातन को मिटाना है

- **उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु में सनातन धर्म को समाप्त करने के मुद्दे पर आयोजित की गई सभा में कहा, सनातन नाम संस्कृत से आया है और कहा कि इसका का मतलब स्थिर और अपरिवर्तनीय होता है, सब कुछ बदलना होगा।**
- **उदयनिधि स्टालिन ने कहा, मैं इसे आज, कल और हमेशा कहूंगा, द्रविड़ भूमि से सनातन धर्म को रोकने का हमारा संकल्प थोड़ा भी कम नहीं होगा।**

चेन्नई, 3 सितम्बर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और राज्य के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने सनातन धर्म को मलेरिया और डेंगू की तरह बताते हुए कहा है कि इसका विरोध नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए।

सनातन धर्म को खत्म के लिए आयोजित किए गए एक सम्मेलन में बोलते हुए, उदयनिधि ने कहा, मुझे विशेष संबोधन देने का अवसर देने के लिए मैं इस सम्मेलन के आयोजकों को धन्यवाद देता हूं। आपने सम्मेलन का नाम सनातन विरोधी सम्मेलन के बजाय सनातन उन्मूलन सम्मेलन रखा है, मैं इसकी सराहना करता हूं।

तमिलनाडु के मंत्री ने आगे कहा कि कुछ चीजों का विरोध नहीं किया जा सकता, उन्हें खत्म ही कर देना चाहिए। हम डेंगू, मच्छर, मलेरिया या कोरोना का विरोध नहीं कर सकते, हमें इसे मिटाना है, ऐसे ही हमें सनातन को मिटाना है, बल्कि सनातन का विरोध कर उसे खत्म करना चाहिए। सनातन नाम संस्कृत से है। यह सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है।

उन्होंने कहा, सनातन नाम संस्कृत से आया है और कहा कि इसका का मतलब स्थिर और अपरिवर्तनीय होता है। सब कुछ बदलना होगा। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर मंत्री ने कहा कि वह किसी भी कानूनी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम इस तरह की सामान्य भगवा धमकियों से नहीं डरेंगे। हम, पेरियार, अन्ना और कलैग्नार के अनुयायी सामाजिक न्याय को बनाए रखने और एक समतावादी समाज की स्थापना के लिए हमेशा लड़ते रहेंगे। मैं इसे आज, कल और हमेशा कहूंगा, द्रविड़ भूमि से सनातन धर्म को रोकने का हमारा संकल्प थोड़ा भी कम नहीं होगा।

वहीं, नीट परीक्षा के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, हम अपने बच्चों को पढ़ाई कराने के लिए कई तरह के विचार और योजनाएं लेकर आ रहे हैं। लेकिन फासीवादी शासक वर्ग हमारे बच्चों को पढ़ाई से दूर रखने के तरीके ढूंढ रहे हैं।

उन्होंने सनातन के इस सिद्धांत की भी आलोचना की कि निम्न वर्ग के लोगों को नहीं पढ़ना चाहिए। उन्होंने सनातन के गुलाम के रूप में पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक शासन की आलोचना की। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आलोचना की कि एआईएडीएमके अन्ना के नाम पर नहीं बल्कि अमित शाह के नाम पर है।

मुंबई में इंडिया गठबंधन की बैठक से उत्पन्न हुये जोश और उमंग के बीच आये उदयनिधि स्टालिन के बयान से विपक्षी गठबंधन को इन हिन्दुत्व विरोधी बयानों के काफी हद तक नुकसान पहुंचने की संभावना है। उदयनिधि के इस बयान ने भाजपा नेताओं को समूचे विपक्ष को हिन्दुत्व विरोधी दिखाने का मौका दे दिया है।

जिन सीटों पर पार्टी कमजोर है, वहां कांग्रेस पर्यवेक्षक खास ध्यान देंगे

वरिष्ठ पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री ने कांग्रेस के 25 पर्यवेक्षकों की बैठक ली और उन्हें विधानसभावार रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिये

- **मधुसूदन मिस्त्री ने कहा कि, ऑब्जर्वर का काम ओपिनियन लेना है, छानबीन करना है। सभी पर्यवेक्षक स्क्रीनिंग कमेटी को फीडबैक देंगे। स्क्रीनिंग कमेटी के सामने जो चीजें आएंगी, उसकी भी पर्यवेक्षक छानबीन करेंगे, लेकिन उनका ज्यादातर काम संगठन का है और प्रचार का है।**

जयपुर, 3 सितम्बर (का.प्र.)। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से लोकसभावार लगाए गए पर्यवेक्षकों की बैठक वरिष्ठ पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री ने ली और अब तक किए गए दौरे और पार्टी के कामकाज को लेकर रिपोर्ट लेते हुए आगे के लिए निर्देश दिए।

बैठक के बाद मिस्त्री ने कहा कि, हमारे सभी पर्यवेक्षकों ने अपने-अपने लोकसभा क्षेत्र में आने वाली विधानसभा सीटों का दौरा किया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष से लेकर कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की है। जिस-जिस ने भी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए आवेदन किया है, उनका आवेदन पत्र लिया है। पर्यवेक्षकों ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कामकाज के तरीके का भी एसेसमेंट किया है। इन्हीं मुद्दों को लेकर रविवार की बैठक में चर्चा की गई है।

चुनाव से पहले प्रदेश में भाजपा के केंद्रीय नेताओं की लगातार बढ़ती सक्रियता के सवाल पर मधुसूदन मिस्त्री ने कहा कि, भाजपा नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फेंकने की आदत है। कर्नाटक और बंगाल चुनाव से पहले वे बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे, लेकिन वहां क्या परिणाम आया? पिछली बार गुजरात में 100 सीट भी नहीं आई थी, इसलिए उनके कहे पर आप मत जाइए। वो जो कहते हैं, उन्हें कहने दो। इस बार उनकी कोई नहीं सुनेगा।

मिस्त्री ने कहा कि, राजस्थान में लोकसभा क्षेत्र पर लगाए गए पर्यवेक्षकों को अब आगे जो भी काम करना है, उसे लेकर पी.सी.सी. से बात करके रणनीति तय की जाएगी। प्रदेश के माहौल के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि, किसी को इस पर कोई शंका नहीं होनी चाहिए कि, विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी और प्रदेश में एक नया इतिहास रचा जाएगा। इसी को लेकर आज बैठक में चर्चा की गई है।

उन्होंने कहा कि, ऑब्जर्वर का काम ओपिनियन लेना है, छानबीन करना है। सभी पर्यवेक्षक स्क्रीनिंग कमेटी को फीडबैक देंगे। स्क्रीनिंग कमेटी के सामने जो चीजें आएंगी, उसकी भी पर्यवेक्षक छानबीन करेंगे, लेकिन उनका ज्यादातर काम संगठन का है और प्रचार का है। सरकार की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी को बुखार, अस्पताल में भर्ती हुई

- **सोनिया गांधी को सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें गांधी को हल्के बुखार की शिकायत हुई है और उन्हें डॉक्टरों की सलाह पर अस्पताल में भर्ती किया गया है।**

नयी दिल्ली, 3 सितंबर (वार्ता)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को बुखार के कारण यहां सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूत्रों के अनुसार, सोनिया गांधी को हल्के बुखार की शिकायत हुई है और उन्हें डॉक्टरों की सलाह पर अस्पताल में भर्ती किया गया है। उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया गया है और उनको देख रहे डॉक्टर बराबर उनके स्वास्थ्य पर नज़र रखे हुए हैं।

कांग्रेस संसदीय दल की नेता दो दिन पहले मुंबई में विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की बैठक में शामिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को गंगापुर सिटी शहर में जाने से रोका

भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता धरने पर बैठे, दो घंटे हंगामे के बाद यात्रा को शहर से गुजरने की मंजूरी मिली

- **पुलिस से काफी जहोद्दाद के बाद प्रशासन ने दी मंजूरी।**
- **भाजपा कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई।**

गंगापुर सिटी, 3 सितम्बर (निस)। त्रिनेत्र गणेश सवाईमाधोपुर से शुरु हुई भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा शनिवार देर रात गंगापुर सिटी पहुंची।

होटल पर्ल में रात्रि विश्राम के बाद रविवार सुबह 11 बजे करीब जैसे ही परिवर्तन यात्रा रवाना हुई । वैसे ही अलीगंज बाईपास से शहर की तरफ बढ़ रही यात्रा को सदर थाने के सामने पुलिस व प्रशासन ने रोक दिया। यात्रा मार्ग को लेकर पुलिस व भाजपाईयों में धक्का मुक्की हुई। यात्रा को शहर में नहीं घुसने देने पर भाजपा नेता व कार्यकर्ता सदर के सामने मुख्य सड़क पर धरने पर बैठ गए। इस दौरान सरकार व पुलिस प्रशासन के खिलाफ कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। इस बीच भाजपाइयों और मौके पर मौजूद एस.टी.एफ., आर.ए.सी. पुलिस के जवानों से टकराव हो गया। भाजपाई रूट के हिसाब से इसी मार्ग से होकर यात्रा निकालने की मांग पर अड़ गए और एस.टी.एफ. और पुलिस के जवानों से उलझते दिखाई दिए। दो घंटे हंगामे के बाद यात्रा को शहर से गुजरने की मंजूरी मिली। यात्रा संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने जमकर हमला बोलते हुए कहा कि, प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को मिले जन समर्थन से कांग्रेस सरकार घबरा रही है। लेकिन मैं प्रदेश के मुखिया अशोक गहलोत को ये बता दूं की ये तो अभी शुरूआत है । अभी तो प्रदेश के अन्य तीन स्थानों से भी परिवर्तन यात्रा निकलेगी और कांग्रेस पार्टी का हमेशा हमेशा के लिए सूपडा ही साफ हो जायेगा। परिवर्तन यात्रा भारी पुलिस लवाजमे के साथ शेड माता रोड, ट्रक यूनियन, कैलाश टाकीज, जामा मस्जिद, फब्बारा चौक चूंगी नाका होते हुए उदेई मोड़ सालोदा के रास्ते हिण्डौन ऑवरब्रिज होते हुए करौली के लिए प्रस्थान कर गई। परिवर्तन यात्रा में टोंक सवाईमाधोपुर सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, करौली धौलपुर सांसद मनोज राजोरिया, जीतेन्द्र गोठवाल, पूर्व विधायक मान सिंह गुर्जर, सभापति शिवरत्न अग्रवाल, जिलाध्यक्ष सुशील दीक्षित, पूर्व सभापति हरिप्रसाद बोहरा, संगीता बोहरा, मनोज कटारिया सहित हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

ओडिशा में बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत

भुवनेश्वर, 03 सितंबर (वार्ता) ओडिशा के 11 जिलों में शनिवार को बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हुए। विशेष राहत आयुक्त कार्यालय (एसआरसी) के सूत्रों ने आज यह जानकारी दी।

एसआरसी कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि बिजली गिरने से खोरधा में चार, बोलांगीर में दो तथा अनुगुल, बौध, जगतसिंहपुर, गजपति, पुरी और ढेंकनाल जिले में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। यहां भारी बारिश के दौरान बिजली गिरी है।एसआरसी कार्यालय ने रविवार को बताया कि बोलांगीर में बिजली गिरने से आठ लोग घायल हो गए, खोरधा और अनुगुल में तीन-तीन, कटक व गंजम में एक-एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। इसके अलावा गजपति में छह और कंधमाल में दो मवेशियों के मारे जाने की खबर है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शोक संतप्त परिवार को 4-4 लाख रुपये का अतिरिक्त मुआवजा दिया जाएगा। एसआरसी कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि मवेशियों की मौत के मामले में स्वीकार्य सहायता दी जाएगी।

सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय नहीं होने से ममता बनर्जी नाराज हुई

मुंबई में इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद ममता बनर्जी और भतीजे अभिषेकबनर्जी जॉइन्ट प्रैस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हुये

- **इस सियासी मामले से परिचित लोगों ने कहा कि बैठक में ममता बनर्जी ने सुझाव दिया कि लोकसभा चुनावों के लिए एक घोषणापत्र जल्दी से तैयार किया जाए ताकि इसे लोगों तक पहुंचाया जा सके, लेकिन उनके प्रस्ताव को अन्य दलों से ज्यादा समर्थन नहीं मिला।**

कोलकाता, 3 सितम्बर। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुंबई में हाल ही में संपन्न हुई इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान लोकसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र को शीघ्र अंतिम रूप देने का मुद्दा उठाया। इस मामले से परिचित नेताओं ने यह भी कहा कि वह सीट बंटवारे सहित कुछ अन्य मुद्दों पर धीमी रफ्तार पर नाराजगी भी व्यक्ती की। ममता और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में भी शामिल नहीं हुए। इसके बाद से अटकलें लगाई जा रही हैं कि विपक्षी गठबंधन के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। हालांकि, टीएमसी का कहना है कि पहले से तय एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दोनों इसमें शामिल नहीं हुए।

इस सियासी मामले से परिचित लोगों ने कहा कि बैठक में ममता बनर्जी ने सुझाव दिया कि लोकसभा चुनावों के लिए एक घोषणापत्र जल्दी से तैयार किया जाए ताकि इसे लोगों तक पहुंचाया जा सके, लेकिन उनके प्रस्ताव को अन्य दलों से ज्यादा समर्थन नहीं मिला। बाद में उन्होंने जोर देकर कहा कि एक छोटा एजेंडा तैयार किया जाए ताकि चुनाव अभियान 2 अक्टूबर को शुरू किया जा सके, जो महात्मा गांधी की जयंती है। एक नेता ने कहा कि टीएमसी यह भी चाहती है कि सीट बंटवारे पर भी जल्द बातचीत हो।

नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर दो वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि 28 पार्टियों के गठबंधन में शामिल 15 से अधिक छोटे संगठनों को साथ रखने के लिए बड़ी पार्टियों के द्वारा चतुराई से काम लेना जरूरी होगा। उनमें से एक ने कहा, शीर्ष नेताओं ने समन्वय को अच्छी तरह से संभाला है। अब सुचारू कामकाज सुनिश्चित करना पैनल के सदस्यों पर निर्भर है।

आपको बता दें कि विपक्षी गठबंधन ने पांच पैनल बनाए हैं, जिनमें एक चुनाव अभियान समिति और एक सोशल मीडिया के लिए एक कार्य समूह शामिल है। नेताओं ने कहा कि उनके अगले सप्ताह से काम शुरू करने की संभावना है। सीटों पर बातचीत भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

नेताओं ने कहा कि विभिन्न राज्यों में सीट-बंटवारे की व्यवस्था पर ध्यान देना होगा, क्योंकि 2024 के चुनाव में गठबंधन की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सीटों के बंटवारे पर बातचीत के दो पहलू होंगे। पहला आम उम्मीदवारों की संख्या को अधिकतम करना और जितना संभव हो उतने राज्यों में मैत्रीपूर्ण मुकाबले से बचने की कोशिश।

पश्चिम बंगाल, पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली सहित जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में इंडिया गठबंधन के प्रमुख सहयोगियों के बीच गहन बातचीत हो सकती है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने कहा है कि वह सत्तारूढ़ टीएमसी के साथ गठबंधन नहीं कर सकती है।

दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस पार्टी की प्रदेश इकाई आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन के बजाय अपने दम पर संसदीय चुनाव लड़ने का दबाव बना रही है। एक गैर-कांग्रेसी नेता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी पुणे से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे

- **भाजपा के पूर्व सांसद संजय काकड़े ने सीधे मोदी को पत्र लिखकर उनसे पुणे से लोकसभा चुनाव लड़ने की मांग की है। भाजपा सांसद गिरीश बापट की मृत्यु के बाद पुणे लोकसभा सीट खाली हो चुकी है।**

पुणे, 3 सितंबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुणे निर्वाचन क्षेत्र से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की मीडिया के एक वर्ग में आई खबरों से हर तरफ चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

इन रिपोर्टों का शहर के राजनेताओं और उद्योगपतियों ने स्वागत किया है। पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा सांसद गिरीश बापट की मृत्यु के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)